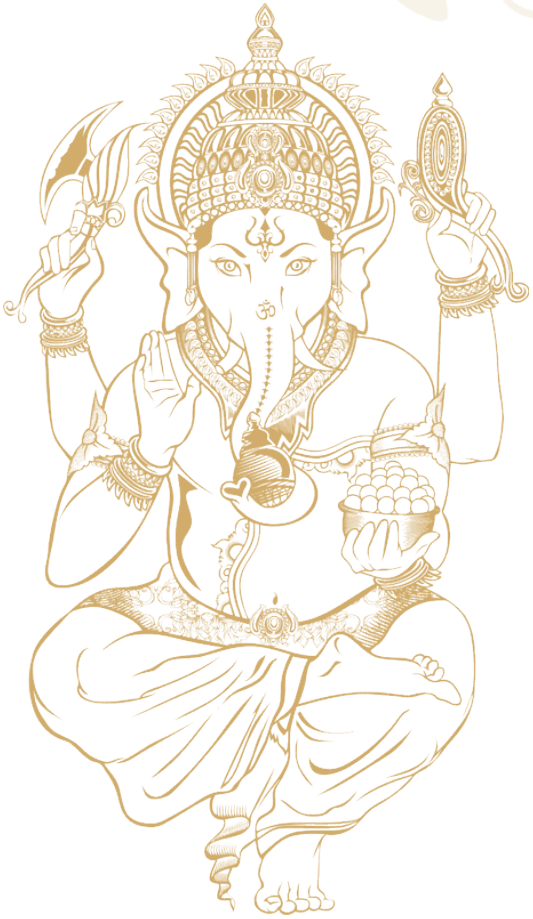

Smt.Amandeep Kour

14 Sep 1991

01:02 AM

Suratgarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 119714805

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**13-14/09/1991**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**01:02:00 घंटे**
इष्ट	46:50:34 घटी
स्थान	**Suratgarh**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	29:19:00 उत्तर
रेखांश	73:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:34:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:27:36 घंटे
वेलान्तर	00:03:50 घंटे
साम्पातिक काल	23:56:45 घंटे
सूर्योदय	06:17:46 घंटे
सूर्यास्त	18:42:48 घंटे
दिनमान	12:25:02 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	26:46:05 सिंह
लग्न के अंश	18:08:23 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	विष्कुम्भ
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	तो-तोरल
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	18:08:23	315:58:02	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	---
सूर्य			सिंह	26:46:05	00:58:26	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	सूर्य	स्वराशि
चंद्र			वृश्चि	03:18:59	12:23:55	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	नीच राशि
मंगल		अ	कन्या	14:22:17	00:39:06	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
बुध			सिंह	10:42:00	01:33:24	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
गुरु			सिंह	06:35:09	00:12:42	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	मित्र राशि
शुक्र			कर्क	27:15:54	00:01:02	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	शत्रु राशि
शनि	व		मक	06:49:04	00:02:02	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	बुध	स्वराशि
राहु	व		धनु	22:53:31	00:04:03	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	नीच राशि
केतु	व		मिथु	22:53:31	00:04:03	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	नीच राशि
हर्ष	व		धनु	16:06:10	00:00:17	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	---
नेप	व		धनु	20:17:05	00:00:24	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
प्लूटो			तुला	24:25:39	00:01:31	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
दशम भाव			मीन	05:22:19	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:44:45

लग्न-चलित

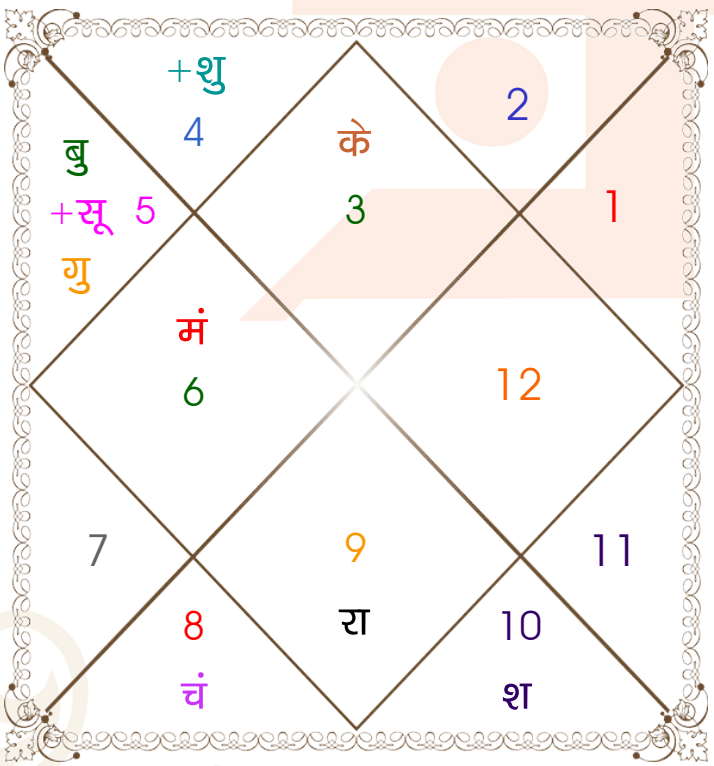

चन्द्र कुंडली

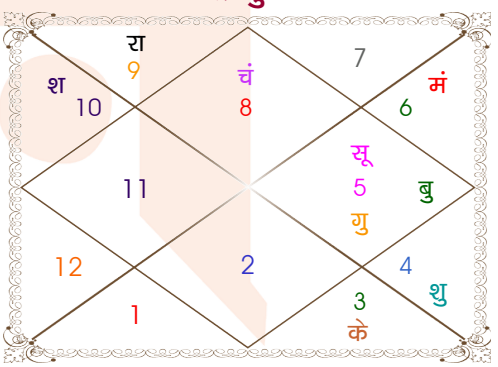

नवमांश कुंडली

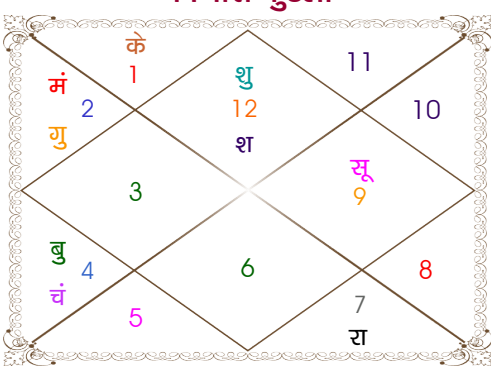

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 0 वर्ष 0 मास 7 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
14/09/1991		21/09/1991		21/09/2010		21/09/2027		21/09/2034	
21/09/1991		21/09/2010		21/09/2027		21/09/2034		21/09/2054	
	00/00/0000	शनि	24/09/1994	बुध	16/02/2013	केतु	17/02/2028	शुक्र	20/01/2038
	00/00/0000	बुध	03/06/1997	केतु	14/02/2014	शुक्र	18/04/2029	सूर्य	21/01/2039
	00/00/0000	केतु	13/07/1998	शुक्र	14/12/2016	सूर्य	24/08/2029	चंद्र	20/09/2040
	00/00/0000	शुक्र	11/09/2001	सूर्य	21/10/2017	चंद्र	25/03/2030	मंगल	20/11/2041
	00/00/0000	सूर्य	24/08/2002	चंद्र	22/03/2019	मंगल	21/08/2030	राहु	20/11/2044
	00/00/0000	चंद्र	25/03/2004	मंगल	19/03/2020	राहु	09/09/2031	गुरु	22/07/2047
	00/00/0000	मंगल	04/05/2005	राहु	06/10/2022	गुरु	15/08/2032	शनि	21/09/2050
	14/09/1991	राहु	09/03/2008	गुरु	11/01/2025	शनि	24/09/2033	बुध	22/07/2053
राहु	21/09/1991	गुरु	21/09/2010	शनि	21/09/2027	बुध	21/09/2034	केतु	21/09/2054

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
21/09/2054		20/09/2060		21/09/2070		21/09/2077		21/09/2095	
20/09/2060		21/09/2070		21/09/2077		21/09/2095		15/09/2111	
सूर्य	08/01/2055	चंद्र	22/07/2061	मंगल	17/02/2071	राहु	03/06/2080	गुरु	08/11/2097
चंद्र	10/07/2055	मंगल	20/02/2062	राहु	06/03/2072	गुरु	27/10/2082	शनि	23/05/2100
मंगल	15/11/2055	राहु	22/08/2063	गुरु	10/02/2073	शनि	02/09/2085	बुध	28/08/2102
राहु	09/10/2056	गुरु	21/12/2064	शनि	22/03/2074	बुध	22/03/2088	केतु	04/08/2103
गुरु	28/07/2057	शनि	22/07/2066	बुध	19/03/2075	केतु	09/04/2089	शुक्र	04/04/2106
शनि	10/07/2058	बुध	21/12/2067	केतु	15/08/2075	शुक्र	09/04/2092	सूर्य	22/01/2107
बुध	16/05/2059	केतु	21/07/2068	शुक्र	15/10/2076	सूर्य	04/03/2093	चंद्र	23/05/2108
केतु	21/09/2059	शुक्र	22/03/2070	सूर्य	19/02/2077	चंद्र	03/09/2094	मंगल	28/04/2109
शुक्र	20/09/2060	सूर्य	21/09/2070	चंद्र	21/09/2077	मंगल	21/09/2095	राहु	15/09/2111

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 0 वर्ष 0 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों की पर्यटक होंगी। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगी।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगी। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि की स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पाती। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाती हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देती हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने की आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहती हैं।

आप अच्छी तरह यह जानती हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करती हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होती हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाती हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकती हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगी। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगी।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगी। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।